"कोविदार"

डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

जून, 2026 अंक | विश्वविद्यालय की ई–मासिक न्यूज पत्रिका | वर्षः 01 | अंकः 12 | पृष्ठः 09

संरक्षक

कर्नल डॉ. बिजेन्द्र सिंह
कुलपति

प्रकाशक
श्री विनय कुमार सिंह
कुलसचिव

संपादक
डॉ. विजयेन्दु चतुर्वेदी
जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग

सम्पादकीय मण्डल
डॉ. राज नारायण पाण्डेय
डॉ. अनुराग सिंह
श्री क्षितिज द्विवेदी

संकलन एवं सम्पादन
शगुन जयसवाल शाम्भवी गुप्ता
निहारिका सिंह, सृष्टि सोनी, विवेक वर्मा ,
गरिमा द्विवेदी, मानसी शुक्ला, जिज्ञाशा
तिवारी, प्रिंस।

आप सुधी पाठकों के विचार सादर आमंत्रित हैं।

Avadhuniversity@gmail.com

राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने अवध विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में भव्य सीताराम सरोवर का किया लोकार्पण

अयोध्या, 27 जून, 2026। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने शनिवार सायंकाल विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में नव. निर्मित भव्य सीताराम सरोवर का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जल संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। विश्वविद्यालयों को शिक्षा एवं अनुसंधान के साथ–साथ प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा पर्यावरण संवर्धन के लिए भी प्रभावी पहल करनी चाहिए।

लोकार्पण के उपरांत कुलाधिपति ने नवीन परिसर में संचालित विभिन्न विकास परियोजनाओं का अवलोकन किया। उन्होंने शैक्षणिक भवनों, आधारभूत सुविधाओं, सड़कों, हरित क्षेत्रों, पेयजल व्यवस्था एवं अन्य निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सभी परियोजनाओं को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय–सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।

अवध विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में नवनिर्मित सरोवर का लोकार्पण करतीं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल। साथ में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी।

इस अवसर पर कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कुलाधिपति का स्वागत करते हुए बताया कि सरोवर का निर्माण विश्वविद्यालय को हरित एवं पर्यावरण–अनुकूल परिसर के रूप में विकसित करने की योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। इससे वर्षा जल संचयन, भूजल स्तर में सुधार तथा जैव विविधता संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। इस अवसर पर राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी अशोक देसाई, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उत्तर प्रदेश की राज्यपाल ने अवध विश्वविद्यालय में विकास कार्यों की समीक्षा की

विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता नहीं, छात्र सुविधाएं हों सर्वोच्च प्राथमिकताः कुलाधिपति

अयोध्या, 27 जून, 2026। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की। बैठक में परिसर में संचालित निर्माण कार्यों, शैक्षणिक एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं, छात्र सुविधाओं तथा आधारभूत संरचना की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। कुलाधिपति ने कहा कि विश्वविद्यालय का विकास विद्यार्थियों की आवश्यकताओं और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए तथा सभी परियोजनाएं गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय–सीमा में पूर्ण हों।

उन्होंने निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा गुणवत्ता से समझौता न करने के निर्देश दिए। साथ ही छात्रावासों में स्वच्छ पेयजल, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, स्वच्छता, सुरक्षा एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर निर्देश भी दिए। राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020

अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करतीं राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल। साथ में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी।

बल दिया। उन्होंने परिसर को हरित एवं प्लास्टिक मुक्त बनाए रखने, वर्षा जल संरक्षण और वृक्षारोपण को बढ़ावा देने के

के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान एवं नवाचार को और सुदृढ़ करने पर भी जोर दिया।

इससे पूर्व कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने विश्वविद्यालय में संचालित विकास परियोजनाओं का प्रस्तुतीकरण करते हुए शैक्षणिक भवनों, छात्रावासों, पेयजल, विद्युत व्यवस्था, सड़क, हरित परिसर, जल संरक्षण एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं की प्रगति से कुलाधिपति को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर को आधुनिक, तकनीक–संपन्न एवं पर्यावरण–अनुकूल बनाने के लिए विभिन्न परियोजनाओं पर तीव्र गति से कार्य कराया जा रहा है।

बैठक में राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी अशोक देसाई, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. अनूप कुमार, प्रो. सिद्धार्थ शुक्ल सहित विद्युत विभाग, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग एवं कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने दो आंगनबाड़ी केंद्रों व स्मार्ट क्लास रूम का किया उद्घाटन

महिलाओं और बच्चों के विकास का सशक्त माध्यम हैं आंगनबाड़ी केंद्रः राज्यपाल

अयोध्या, 27 जून, 2026। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को राज्य स्मार्ट सिटी मिशन योजना के अंतर्गत अयोध्या धाम के ब्रह्मकुंड गुरुद्वारे के निकट मोहल्ला दोराही कुआं में नवनिर्मित दो आंगनबाड़ी केंद्रों एवं स्मार्ट क्लास रूम का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने बाल वाटिकाओं का अवलोकन किया, बच्चों से संवाद किया तथा स्मार्ट क्लास के माध्यम से संचालित शिक्षण व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को फल एवं मिष्ठान वितरित किए तथा रसोईघर का निरीक्षण कर मिड–डे मील की गुणवत्ता भी परखी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भारत का उज्ज्वल भविष्य आज के बच्चों के हाथों में है। उनके शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास के लिए प्रारंभिक अवस्था में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, उत्तम संस्कार और संतुलित पोषण अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने कहा कि बच्चे की पहली शिक्षिका उसकी मां होती है, जबकि आंगनबाड़ी केंद्र उसके व्यक्तित्व निर्माण की मजबूत आधारशिला बनते हैं। राज्यपाल ने गर्भवती महिलाओं के हुए कहा कि स्वस्थ समाज की

अयोध्या के वशिष्ठ कुंड वार्ड में नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन करतीं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल।

स्वास्थ्य एवं पोषण पर विशेष बल देते शुरुआत गर्भकाल से होती है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से प्रत्येक गर्भवती महिला का पंजीकरण सुनिश्चित कराने तथा संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। साथ ही अभिभावकों से नवजात शिशुओं को छह माह तक केवल मातृ दुग्ध पिलाने और तीन वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक बच्चे का आंगनबाड़ी केंद्र में नामांकन कराने की अपील की।

उन्होंने कहा कि आठ वर्ष की आयु तक बच्चों की सीखने की क्षमता का अधिकांश विकास हो जाता है। इसलिए इस अवधि में नैतिक शिक्षा, योग, पर्यावरण संरक्षण और अनुशासित जीवनश.ली के संस्कार देना अत्यंत आवश्यक है।

कार्यक्रम में कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह, जिलाधिकारी, जिला. विकास अधिकारी, वार्ड पार्षद रंजना यादव, विभिन्न विभागों के आलाधिकारी, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, आशा बहुएं सहित बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

राज्यपाल ने अवध विश्वविद्यालय में हाईटेक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सभागार का किया लोकार्पण

विश्वविद्यालयों को आधुनिक तकनीक से सशक्त बनाना होगाः कुलाधिपति

अयोध्या, 27 जून, 2026। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने शनिवार को विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन के भूतल पर नव. निर्मित अत्याधुनिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सभागार का लोकार्पण किया। लोकार्पण के उपरांत उन्होंने सभागार का अवलोकन कर वहां स्थापित आधुनिक तकनीकी उपकरणों एवं डिजिटल संचार सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में उच्च शिक्षा संस्थानों को नवीनतम तकनीकों से जोड़ना आवश्यक है, जिससे शिक्षण, शोध और प्रशासनिक कार्यों में गुणवत्ता एवं दक्षता सुनिश्चित की जा सके।

कुलाधिपति ने कहा कि यह हाईटेक सभागार विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों और विभिन्न संस्थानों से सीधे जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके माध्यम से ऑनलाइन व्याख्यान, वेबिनार, शोध संगोष्ठियां, प्रशिक्षण कार्यक्रम, अकादमिक संवाद तथा प्रशासनिक बैठकें अधिक प्रभावी ढंग से आयोजित की जा सकेंगी। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रशासन से इस सुविधा का अधिकतम उपयोग विद्यार्थियों और शोधार्थियों के हित में करने का आह्वान किया।

इस अवसर पर कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कुलाधिपति का स्वागत करते हुए बताया कि यह सभागार उच्च गुणवत्ता वाली ऑडियो–वीडियो प्रणाली, बड़े डिजिटल डिस्प्ले, आधुनिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग उपकरणों तथा उन्नत नेटवर्किंग प्रणाली से सुसज्जित है। उन्होंने कहा कि यह सुविधा राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप विश्वविद्यालय को तकनीक–संपन्न, नवाचार आधारित एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी शिक्षण संस्थान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं शिक्षकों को देश–विदेश के विशेषज्ञों से सीधे संवाद का अवसर मिलेगा।

इस अवसर पर राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी अशोक देसाई, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. एसएस मिश्र, प्रो. शैलेन्द्र कुमार, डॉ. विनोद चौधरी, डॉ. दिनेश सिंह एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कौटिल्य प्रशासनिक भवन में अत्याधुनिक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सभागार का लोकार्पण करतीं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल। साथ में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी।

डिस्क्लेमर : ई–पत्रिका का प्रकाशन पूरी तरह से शैक्षणिक विकास को समर्पित है, इसका कोई भी व्यावसायिक हित नहीं है। सर्वाधिकार @ डॉ0 राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या

बच्चों को संस्कार और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना सबसे बड़ी जिम्मेदारीः राज्यपाल

मुख्य अतिथि के रूप में राज्यपाल ने मातृशक्ति कॉन्क्लेव का किया शुभारंभ

अयोध्या 28 जून, 2026। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने रविवार को विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित 'मातृशक्ति कॉन्क्लेव अयोध्या–2026' में मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। कार्यक्रम में आयोजित माँ.बेटी संवाद के माध्यम से शिक्षा, संस्कार, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास जैसे विषयों पर विचार.विमर्श किया गया।

राज्यपाल ने विभिन्न विभागों की प्रदर्शनी एवं सीएसआर से उपलब्ध कराई गई सामग्रियों का अवलोकन किया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा 200 बालिकाओं को एचपीवी वैक्सीन तथा 10 बच्चों को पल्स पोलियो की खुराक दी गई। उन्होंने विद्याशक्ति पहल के अंतर्गत 3600 स्वयं सहायता समूहों को पुस्तकें, 100 समूहों को ऑर्नामेंटल फिशरीज किट, 1500 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन, 902 सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र तथा सीएसआर सहयोगियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए।

अवध विश्वविद्यालय के स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित 'मातृशक्ति कॉन्क्लेव अयोध्या–2026' को संबोधित करतीं उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल।

अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि मातृशक्ति समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। विकसित भारत.2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने माताओं से बेटियों को एचपीवी वैक्सीन लगवानेए महिला. ओं को नियमित स्वास्थ्य जांच कराने तथा बच्चों के पोषण, टीकाकरण, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और अच्छे संस्कारों पर विशेष ध्यान देने की अपील की। उन्होंने बच्चों को भारतीय संस्कृति एवं नैतिक मूल्यों से जोड़ने तथा मोबाइल और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग से दूर रखने पर भी बल दिया।

कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने नियमित मां–बेटी संवाद आयोजित किए जाने का सुझाव दिया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं तथा उत्कृष्ट प्रतिभागियों को राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अवध विवि के कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह, जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, मुख्य विकास अधिकारी के.के. सिंह, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह सहित बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकत्री एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर अवध विश्वविद्यालय में वृहद वृक्षारोपण

पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण जनआंदोलन बनेः कुलपति डॉ. बिजेन्द्र

अयोध्या, 4 जून, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय में विश्व

विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर विश्वविद्यालय परिसर में पौधरोपण करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं अन्य शिक्षकगण।

पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने आवासीय परिसर स्थित हरित वाटिका–2 में चंपा (गुलचीन) का पौधा रोपित कर अभियान का शुभारंभ किया।

उन्होंने कहा कि वृक्ष मानव जीवन, पर्यावरण संरक्षण और जलवायु संतुलन के आधार हैं। बदलते पर्यावरणीय परिदृश्य में प्रत्येक व्यक्ति को 'धरती मां के नाम एक वृक्ष' अवश्य लगाना चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पर्यावरण मिल सके।

कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. मृदुला मिश्रा ने कहा कि वृक्ष वर्षा, जैव विविधता और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्रभारी स्वच्छता एवं बागवानी प्रकोष्ठ प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि विश्वविद्यालय परिसर के पुराने एवं नए परिसर में अगस्त माह तक 900 फलदार एवं औषधीय पौधे लगाए जाएंगे। साथ ही विद्यार्थियों को 'वृक्ष मित्र' के रूप में जोड़कर पौधों के संरक्षण की जिम्मेदारी भी सौंपी जाएगी।

कार्यक्रम में प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. एस.के. रायजादा, डॉ. संजय चौधरी, डॉ. विनोद कुमार चौधरी, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. रचना श्रीवास्तव, विष्णु यादव, रंजीत मौर्य, शैलेष कुमार, डॉ. अजय कुमार मौर्य, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. आरएन पाण्डेय, डॉ. अनिल कुमार सिंह, गिरीश पंत सहित बड़ी संख्या में शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्र–छात्राओं ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

अवध विश्वविद्यालय के डॉ. विनोद कुमार चौधरी को 'पर्यावरण श्री सम्मान

अयोध्या, 2 जून, 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के पर्यावरण विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. विनोद कुमार चौधरी को पर्यावरण विज्ञान एवं सतत विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित "पर्यावरण श्री सम्मान" से

सम्मानित किया गया। यह सम्मान सिक्किम अपाइन यूनिवर्सिटी, नामची में आयोजित द्वितीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईसीएनएस–2026 के दौरान एशियन बायोलॉजिकल रिसर्च फाउंडेशन, प्रयागराज द्वारा प्रदान किया गया। सम्मान पूर्व कुलपति प्रो. एच.बी. श्रीवास्तव ने प्रदान किया। सम्मेलन में पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन एवं सतत विकास पर विचार–विमर्श हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बिजेन्द्र सिंह, कुलसचिव, वित्त अधिकारी तथा शिक्षकों ने डॉ. चौधरी को इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए इसे विश्वविद्यालय और अयोध्या के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

अवध विश्वविद्यालय में गूंजा 'करें योग, रहें निरोग' का संदेश, हजारों ने लिया नियमित योग का संकल्प

योग भारत की वैश्विक पहचान, स्वस्थ जीवन का सबसे सरल मार्गः कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह

अयोध्या, 21 जून 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 का आयोजन उत्साह, अनुशासन और जनभागीदारी के साथ किया गया। आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित सामान्य योग प्रोटोकॉल के तहत विश्वविद्यालय के मुख्य परिसर में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षकों, कर्मचारियों, अधिकारियों, शोधार्थियों, छात्र–छात्राओं, एनसीसी कैडेट्स, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों तथा शहर के प्रबुद्ध नागरिकों सहित हजारों लोगों ने सामूहिक योगाभ्यास किया। योग दिवस के अवसर पर पूरा परिसर स्वास्थ्य, सकारात्मक ऊर्जा और अनुशासित जीवनशैली के संदेश से ओत–प्रोत दिखाई दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि योग भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा की अमूल्य धरोहर है, जो संपूर्ण मानवता के कल्याण का मार्ग प्रशस्त करती है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक फिटनेस का साधन नहीं, बल्कि मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक स्वास्थ्य का भी आधार है। आधुनिक विज्ञान ने भी यह स्वीकार किया है कि नियमित योग, प्राणायाम और ध्यान तनाव, अवसाद तथा चिंता जैसी समस्याओं को कम करने में अत्यंत प्रभावी हैं। योग व्यक्ति में आत्म. विश्वास, अनुशासन, सकारात्मक सोच और कार्यक्षमता का विकास करता है।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 पर अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या में सामूहिक योगाभ्यास करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह, अधिकारी, शिक्षक, कर्मचारी, एनसीसी कैडेट एवं छात्र–छात्राएं। कार्यक्रम के अंत में सभी ने नियमित योग करने का सामूहिक संकल्प लिया।

स्वागत उद्बोधन एवं कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए संयोजक प्रो. एस.एस. मिश्र ने कहा कि स्वस्थ व्यक्ति ही स्वस्थ समाज और आत्मनिर्भर राष्ट्र के निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से प्रतिदिन योग करने तथा अपने परिवार और समाज को भी योग के प्रति जागरूक करने का आह्वान किया।

योगाचार्य अनुराग सोनी के निर्देशन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान का अभ्यास किया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय की प्रथम महिला मीना सिंह, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. मृदुला मिश्रा, प्रो. नीलम पाठक, प्रो. चयन कुमार मिश्र, प्रोदृ आशुतोष सिन्हा, प्रो. अनूप कुमार, प्रो. विनोद श्रीवास्तव, प्रो. शैलेन्द्र वर्मा सहित विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित सभी लोगों ने "करें योग, रहें निरोग" का उद्घोष करते हुए नियमित योगाभ्यास तथा स्वस्थ, निरोग एवं सशक्त भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का सामूहिक संकल्प लिया।

योग दिवस की तैयारियों में जुटा अवध विश्वविद्यालय, महापौर और कुलपति ने किया योग पूर्वाभ्यास

योग से निरोग भारत का संकल्प, सैकड़ों विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने किया सामूहिक अभ्यास

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 की तैयारियों के तहत अवध विश्वविद्यालय में आयोजित योग प्रोटोकॉल पूर्वाभ्यास कार्यक्रम में योगाभ्यास करते महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह, शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र–छात्राएं।

अयोध्या, 16 जून 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या के सरदार पटेल वाटिका में आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 की तैयारियों के क्रम में योग प्रोटोकॉल पूर्वाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रतिभागियों को आयुष मंत्रालय द्वारा निर्धारित कॉमन योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण प्रदान करना तथा योग के प्रति व्यापक जन–जागरूकता विकसित करना था। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अयोध्या के महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी तथा अध्यक्ष कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह रहे। अपने संबोधन में महापौर ने कहा कि योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है, जो शरीर, मन और आत्मा के मध्य संतुलन स्थापित करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि वत. मान समय की तनावपूर्ण जीवनशैली, मानसिक दबाव और स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के बीच योग स्वस्थ, संतुलित और सकारात्मक जीवन का आधार बन गया है। युवाओं को योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए।

अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि योग भारत की प्राचीन ऋषि परंपरा की अनुपम देन है, जिसने हजारों वर्षों से मानव जीवन को स्वस्थ और अनुशासित बनाने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और आत्मा के समन्वित विकास का विज्ञान है। नियमित योगाभ्यास से एकाग्रता, स्मरण शक्ति, आत्मविश्वास और कार्यकुशलता में वृद्धि होती है। उन्होंने प्रधानमंत्री के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आज योग वैश्विक स्तर पर भारत की पहचान बन चुका है।

योगाचार्य डॉ. अनुराग सोनी ने प्रतिभागियों को प्राणायाम का अभ्यास कराया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा स्वस्थ, निरोग और सशक्त भारत के निर्माण में योगदान देने का सामूहिक संकल्प लिया।

अवध विश्वविद्यालय में 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कला कार्यशाला का भव्य समापन

कला मानव जीवन की अनुभूतियों और समाज का प्रतिबिंब: कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह

अयोध्या, 01 जून 2026। अवध विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग एवं राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 20 दिवसीय ग्रीष्मकालीन कला कार्यशाला का भव्य समापन हुआ। विश्वविद्यालय के आवासीय परिसर स्थित अर्थशास्त्र एवं ग्रामीण विकास विभाग के सेमिनार हॉल में आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह रहे, जबकि कला संकायाध्यक्ष प्रो. मृदुला मिश्रा एवं गणपत सहाय पीजी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. अंगरेज सिंह राणा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में कुलपति ने कहा कि कला केवल रंगों और कैनवास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव जीवन की गहरी संवेदनाओं और समाज का सजीव प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि अवध की धरती सदैव कला एवं संस्कृति की समृद्ध परंपरा की वाहक रही है और विश्वविद्यालय का ललित कला विभाग नई पीढ़ी को इस विरासत से जोड़ने का सराहनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर अभ्यास और नवाचार के माध्यम से अपनी रचनात्मक प्रतिभा को विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

ग्रीष्मकालीन कला कार्यशाला के समापन अवसर पर विद्यार्थियों की कलाकृतियों का अवलोकन करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं अन्य अतिथि।

कार्यक्रम में कार्यशाला के दौरान 80 विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई कलाकृतियों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका अवलोकन कुलपति एवं अतिथियों ने किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सरिता द्विवेदी तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. रीमा सिंह ने किया। इस अवसर पर प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. प्रिया कुमारी, प्रो. सुरेंद्र मिश्र, प्रो. अजय मौर्या उपस्थित रहे।

आईआईआरएफ इंजीनियरिंग रैंकिंग–2026 में अवध विश्वविद्यालय को बड़ी सफलता

देश में 138वां, उत्तर प्रदेश के राज्य इंजीनियरिंग कॉलेजों में दूसरा स्थान प्राप्त

अयोध्या, 02 जून 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या ने एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पहली बार इंडियन इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (आईआईआरएफ) इंडिया इंजीनियरिंग रैंकिंग–2026 में देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों के बीच 138वां स्थान प्राप्त किया है। वहीं उत्तर प्रदेश के राज्य स्तरीय इंजीनियरिंग कॉलेजों में विश्वविद्यालय को 18वां स्थान तथा स्टेट इंजीनियरिंग कॉलेजों की श्रेणी में दूसरा स्थान मिला है।

आईआईआरएफ इंडिया इंजीनियरिंग रैंकिंग–2026 में उल्लेखनीय स्थान प्राप्त करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं विश्वविद्यालय परिवार।

इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने कहा कि आईआईआरएफ रैंकिंग में प्राप्त यह स्थान विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुसंधान और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यह सफलता विश्वविद्यालय परिवार को भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन करने तथा नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए इंजीनियरिंग संस्थान के शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों को बधाई दी।

कुलसचिव विनय कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय को उत्कृष्ट शिक्षण संस्थान के रूप में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे। वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल ने इस सफलता का श्रेय टीम वर्क और संस्थागत समन्वय को दिया।

आईटी संस्थान के निदेशक डॉ. पी.के. द्विवेदी ने बताया कि आईआईआरएफ देश की प्रतिष्ठित और विश्वसनीय रैंकिंग प्रणालियों में से एक है। उन्होंने कहा कि इससे पूर्व विश्वविद्यालय को नेचर इंडेक्स रैंकिंग में भी उल्लेखनीय स्थान प्राप्त हो चुका है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने हर्ष व्यक्त किया है।

मिस फेयरवेल बनीं प्रज्ञा, आरुष चुने गए मिस्टर फेयरवेल

अयोध्या 04 जून 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के सरदार पटेल राष्ट्रीय एकात्मकता केंद्र में सत्र 2024–26 के विद्यार्थियों के विदाई एवं सत्र 2025–27 के नवप्रवेशित छात्र–छात्राओं के स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वरिष्ठ विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से सभी का मन मोह लिया। समन्वयक प्रो. गंगाराम मिश्रा ने केंद्र की शैक्षणिक एवं रोजगारपरक गतिविधियों पर प्रकाश डाला। समारोह में प्रज्ञा श्रीवास्तव को मिस फेयरवेल तथा आरुष श्रीवास्तव को मिस्टर फेयरवेल चुना गया। कार्यक्रम में शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

न्यू टीचर्स कॉलोनी में चला विशेष सफाई अभियान

अयोध्या, 07 जून 2026। अवध विश्वविद्यालय के स्वच्छता एवं बागवानी प्रकोष्ठ द्वारा संचालित 30 दिवसीय स्वच्छता उत्प्रेरक वृहद कार्यशाला के अंतर्गत न्यू टीचर्स कॉलोनी आवासीय परिसर में विशेष सफाई अभियान चलाया गया।

कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह की स्वच्छ परिसर की परिकल्पना को साकार करने हेतु लगभग 70 स्वच्छकर्मी ने अभियान में सहभागिता की। अभियान के दौरान कॉलोनी के मुख्य द्वार तथा टाइप–3 एवं टाइप–4 आवासों की गहन सफाई की गई। प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. विनोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि 8 जून को अहिल्याबाई महिला छात्रावास एवं उत्तर पुस्तिका भवन में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

अवध विश्वविद्यालय में 'इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट इन पब्लिक लाइब्रेरीज' विषयक कार्यशाला का शुभारंभ

पुस्तकालय ज्ञान का मंदिर और समाज की चेतना के केंद्र: कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह

अयोध्या, 08 जून 2026। अवध विश्वविद्यालय के श्रीराम शोध पीठ संस्थान में "इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट इन पब्लिक लाइब्रेरीज" विषय पर पांच दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने किया, जबकि कला एवं मानविकी संकायाध्यक्ष प्रो. मृदुला मिश्रा विशिष्ट अतिथि रहीं।

कुलपति ने कहा कि पुस्तकालय किसी भी शिक्षण एवं शोध संस्थान का सूचना केंद्र होता है। सार्वजनिक पुस्तकालय समाज की चेतना, संस्कृति और ज्ञान के संवाहक हैं, जो समाज के अंतिम व्यक्ति तक सूचना और शिक्षा पहुंचाने का कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटलीकरण के इस युग में पुस्तकालयों का स्वरूप तेजी से बदल रहा है तथा कोहा, ई–ग्रंथालय और अन्य आधुनिक सॉफ्टवेयर के माध्यम से पाठकों को ई–बुक्स, ई–जर्नल्स और डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के केंद्रीय पुस्तकालय में 23,500 से अधिक ई–बुक्स, 13,500 राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध पत्र तथा दो लाख से अधिक पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध हैं। विशिष्ट अतिथि प्रो. मृदुला मिश्रा ने कहा कि पुस्तकालय विद्यार्थियों, शिक्षकों और शोधार्थियों के लिए ज्ञान एवं मार्गदर्शन के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। कार्यशाला संयोजक प्रो. सिद्धार्थ शुक्ला ने बताया कि आधुनिक पुस्तकालय अब कम्युनिटी नॉलेज हब के रूप में विकसित हो रहे हैं, जहां डिजिटल तकनीकों और आरएफआईडी आधारित प्रबंधन प्रणाली का उपयोग किया जा रहा है।

श्रीराम शोध पीठ संस्थान में आयोजित पांच दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं उपस्थित प्रतिभागी।

कार्यशाला के प्रथम दिन 55 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. हिमांशु शेखर सिंह, प्रो. गंगाराम मिश्र, प्रो. विनोद श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, शोधार्थी एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

ऑल इंडिया पावर लिफ्टिंग में अवध विश्वविद्यालय बना उपविजेता

अयोध्या, 10 जून 2026। चेन्नई स्थित हिंदुस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस यूनिवर्सिटी में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी पावर लिफ्टिंग पुरुष प्रतियोगिता में डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उपविजेता बनने का गौरव हासिल किया। प्रतियोगिता में धर्मेंद्र शर्मा ने 105 किलोग्राम भार वर्ग में स्वर्ण पदक तथा गगनदीप ने 120 प्लस भार वर्ग में कांस्य पदक जीता। अभिषेक सांखला, हिमांशु एवं मयंक ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

खिलाड़ियों के संयुक्त प्रदर्शन के आधार पर अवध विश्वविद्यालय की टीम देश में दूसरे तथा उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों में प्रथम स्थान पर रही। कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह ने खिलाड़ियों को बधाई देते हुए इसे विश्वविद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया। टीम के साथ प्रबंधक डॉ. मनीष सिंह एवं कोच बबलू रहे। विश्वविद्यालय के अधिकारियों, शिक्षकों एवं खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं दी हैं।

अवध विश्वविद्यालय के धर्मेंद्र ने ऑल इंडिया पावर लिफ्टिंग में पहला स्थान हासिल कर जीता स्वर्ण पदक

अयोध्या, 17 जून 2026। अवध विश्वविद्यालय के खिलाड़ी धर्मेंद्र शर्मा ने चेन्नई में आयोजित ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी पावर लिफ्टिंग पुरुष प्रतियोगिता में 105 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान के साथ स्वर्ण पदक प्राप्त कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया। वहीं गगनदीप के उत्कृष्ट प्रदर्शन से विश्वविद्यालय को कांस्य पदक भी हासिल हुआ। मंगलवार को विश्वविद्यालय क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह एवं टीम मैनेजर डॉ. मनीष सिंह ने कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह को प्रतियोगिता की ट्रॉफी भेंट की। इस अवसर पर कुलपति ने खिलाड़ियों, कोच बबलू एवं टीम प्रबंधन को बधाई देते हुए कहा कि खिलाड़ियों की यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के लिए गौरव का विषय है तथा इससे अन्य विद्यार्थियों को भी खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन की प्रेरणा मिलेगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार एवं खेल प्रेमियों ने खिलाड़ियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता की ट्रॉफी कुलपति डॉ बिजेंद्र सिंह को भेंट करते क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह एवं टीम मैनेजर डॉ. मनीष सिंह।

विद्यार्थियों ने सीखे गूगल के अत्याधुनिक टूल्स

अयोध्या, 11 जून 2026। अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन एवं उद्यमिता विभाग में गूगल स्टूडेंट एम्बेसडर्स आशुतोष सिंह एवं साक्षी वर्मा द्वारा विद्यार्थियों के लिए विशेष एआई वर्कशॉप का आयोजन किया गया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को गूगल के अत्याधुनिक एआई टूल्स जेमिनी, नैनो बनाना एवं लिरिया की उपयोगिता और प्रयोग की जानकारी दी गई।

विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिक्षा और उद्योग जगत में नए अवसर सृजित कर रहा है तथा ऐसी कार्यशालाएं विद्यार्थियों के नवाचार एवं डिजिटल कौशल को विकसित करने में सहायक हैं। कार्यशाला के दौरान विद्यार्थियों ने टीम बनाकर जेमिनी की सहायता से प्रॉम्प्ट तैयार किए, नैनो बनाना से पोस्टर एवं इमेज बनाई तथा लिरिया के माध्यम से एआई आधारित संगीत तैयार किया। समापन सत्र में प्रतिभागियों ने अपने प्रोजेक्ट प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में डॉ. अनुराग तिवारी, डॉ. पवन कुमार, डॉ. संजीत पांडे एवं डॉ. श्याम श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियां तेज, अवध विश्वविद्यालय में हुई समन्वय बैठक

योग स्वस्थ जीवन और राष्ट्र निर्माण का आधारः कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह

अयोध्या, 12 जून 2026। अवध विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन सभागार में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 के सफल आयोजन को लेकर कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 16 जून को प्रातः 6:30 बजे प्रशासनिक भवन के समक्ष स्थित कौटिल्य पार्क में आयोजित होने वाले योग प्रोटोकॉल पूर्वाभ्यास की तैयारियों की समीक्षा की गई। कुलपति ने कहा कि योग भारत की गौरवशाली संस्कृति, स्वस्थ जीवन पद्धति और वैश्विक पहचान का प्रतीक है। योग मन, शरीर और आत्मा के समन्वय का विज्ञान है तथा स्वस्थ समाज के निर्माण का आधार है। उन्होंने विश्वविद्यालय परिवार से योग दिवस कार्यक्रम में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2026 की तैयारियों को लेकर आयोजित बैठक में विचार–विमर्श करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के संयोजक प्रो. एस.एस. मिश्र ने बताया कि आयुष मंत्रालय के दिशा–निर्देशों के अनुरूप विश्वविद्यालय में योग दिवस का भव्य एवं अनुशासित आयोजन किया जाएगा। बैठक में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. सी.के. मिश्र, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. एस.के. रायजादा, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, अनुराग सोनी, आलोक तिवारी सहित अनेक शिक्षक एवं अधिकारी ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यम से उपस्थित रहे।

अवध विवि में 'विकसित भारत एवं विकसित उत्तर प्रदेश' विषय पर संगोष्ठी आयोजित

अयोध्या, 18 जून 2026। अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन एवं उद्यमिता विभाग द्वारा "विकसित भारत एवं विकसित उत्तर प्रदेशः 12 वर्षों की सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण" विषय पर विशेष संगोष्ठी आयोजित की गई। मुख्य अतिथि यश पक्का लिमिटेड के कार्यकारी निदेशक गौतम घोष तथा विशिष्ट अतिथि एनटीपीसी टांडा की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनीषा पाण्डेय रहीं। अध्यक्षता आईक्यूएसी निदेशक प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने की।

गौतम घोष ने कहा कि भारत ने औद्योगिक विकास, आत्मनिर्भरता और नवाचार के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। डॉ. मनीषा पाण्डेय ने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित राष्ट्र की आधारशिला हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेन्द्र कुमार वर्मा ने उद्यमिता को विकसित भारत का आधार बताया। प्रो. नीलम पाठक ने युवाओं को राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति बताया। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने विकसित भारत–2047 की परिकल्पना में सामाजिक समावेशन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पर्यावरणीय संतुलन की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ. राकेश कुमार ने किया।

टीसीएस में चयनित हुए अवध विश्वविद्यालय के तीन विद्यार्थी

बीसीए छात्रों ने प्लेसमेंट में लहराया परचम, विभाग में खुशी का माहौल

अयोध्या, 13 जून 2026। अवध विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रबंधन एवं उद्यमिता विभाग के बीसीए पाठ्यक्रम के तीन विद्यार्थियों का प्रतिष्ठित आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में ग्रेजुएट ट्रेनी पद पर चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थियों में इशिका सिंह, वैभव कसौधन एवं मोहम्मद उमर शामिल हैं। विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा ने इसे विभाग की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। लोहिया इनक्यूबेशन सेंटर के निदेशक प्रो. हिमांशु शेखर सिंह एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उनकी मेहनत, तकनीकी दक्षता और विभाग के गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन का परिणाम है।

टीसीएस में चयनित बीसीए विद्यार्थियों को बधाई देते विभागाध्यक्ष एवं शिक्षकगण।

छूटी प्रायोगिक एवं मौखिकी परीक्षा के लिए 25 जून तक आवेदन करें छात्र

अयोध्या, 10 जून 2026। अवध विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक कार्यालय ने वर्ष 2025 की स्नातक एवं परास्नातक मुख्य परीक्षा की छूटी हुई प्रायोगिक एवं मौखिकी परीक्षाओं के संबंध में निर्देश जारी किए हैं। परीक्षा नियंत्रक विनय कुमार सिंह ने बताया कि छूटी हुई परीक्षाएं वर्ष 2026 की मुख्य प्रायोगिक एवं मौखिकी परीक्षाओं के साथ साकेत महाविद्यालय, अयोध्या केंद्र पर आयोजित होंगी। इच्छुक छात्र निर्धारित शुल्क ऑनलाइन जमा कर आवेदन पत्र, शुल्क रसीद, प्रवेश पत्र एवं अंकपत्र की प्रति सहित अपने महाविद्यालय के माध्यम से प्रस्ताव 25 जून 2026 तक परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में जमा कराएं।

ऑल इंडिया पावर लिफ्टिंग में धर्मेंद्र शर्मा ने जीता स्वर्ण पदक

अवध विश्वविद्यालय के खिलाड़ी ने बढ़ाया मान, कुलपति ने दी बधाई

अयोध्या, 08 जून 2026। अवध विश्वविद्यालय के खिलाड़ी धर्मेंद्र शर्मा ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी पावर लिफ्टिंग पुरुष प्रतियोगिता में 105 किलोग्राम भार वर्ग में शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में टीम मैनेजर डॉ. मनीष सिंह एवं कोच बबलू ने खिलाड़ियों का मार्गदर्शन किया। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने धर्मेंद्र शर्मा को बधाई देते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन और कौशल विकास से ही सफलता प्राप्त होती है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है तथा पदक विजेता खिलाड़ी को सम्मानित किया जाएगा। क्रीड़ा परिषद के उपाध्यक्ष प्रो. हिमांशु शेखर सिंह एवं क्रीड़ा सचिव प्रो. आशीष प्रताप सिंह ने भी खिलाड़ी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बताया कि कुलपति के नेतृत्व में विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप खेल अवसंरचना विकसित की जा रही है। खिलाड़ी की इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ला, कुलसचिव विनय कुमार सिंह, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो.नीलम पाठक, कुलानुशासक प्रो. एस. एस मिश्रा, क्रीड़ा उप सचिव डॉ. अनुराग पाण्डेय, पूर्व प्राचार्य प्रो. अभय कुमार सिंह, महाविद्यालय विश्वविद्यालय शिक्षक संघ के महामंत्री प्रो. अमूल्य कुमार सिंह व अन्य ने प्रसन्नता यक्त की।

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने वाले खिलाड़ी धर्मेंद्र शर्मा।

"कोविदार"

जून, 2026 ।। ज्येष्ठ शुक्ल दशमी ।। विक्रम संवत् 2083

एडूरैंक–2026 में अवध विश्वविद्यालय की बड़ी उपलब्धि, देश में 128वीं रैंक

एडूरैंक–2026 में मिली सफलता विश्वविद्यालय परिवार के सामूहिक प्रयासों का परिणाम: कुलपति

अयोध्या, 09 जून 2026। अवध विश्वविद्यालय ने वैश्विक शैक्षिक रैंकिंग संस्था एडूरैंक–2026 में उल्लेखनीय सफलता अर्जित करते हुए राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है। विश्वविद्यालय को देश के 876 विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों में 128वां स्थान तथा उत्तर प्रदेश के 79 विश्वविद्यालयों में 13वीं रैंक प्राप्त हुई है। एडूरैंक की रिपोर्ट के अनुसार यह रैंकिंग शोध प्रकाशनों, शोध उद्धरणों, अकादमिक प्रभाव, सामाजिक प्रतिष्ठा तथा पूर्व छात्रों की उपलब्धियों के आधार पर निर्धारित की जाती है। विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान और प्रकाशित शोध पत्रों ने इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह ने इसे विश्वविद्यालय परिवार के सामूहिक प्रयास, समर्पण और शैक्षणिक उत्कृष्टता का परिणाम बताते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप विश्वविद्यालय में शिक्षा, शोध, नवाचार, कौशल विकास तथा उद्योग–शैक्षणिक सहयोग को निरंतर बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह उपलब्धि भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगी।

एडूरैंक–2026 में उल्लेखनीय रैंक प्राप्त करने पर प्रसन्नता व्यक्त करते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह एवं विश्वविद्यालय के अधिकारी।

आईक्यूएसी निदेशक प्रो. हिमांशु शेखर सिंह ने कहा कि कुलपति के नेतृत्व में विश्वविद्यालय ने गुणवत्ता संवर्धन, शोध संस्कृति और संस्थागत विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। पर्यावरण अभियांत्रिकी, पर्यावरण प्रबंधन, पोषण एवं खाद्य विज्ञान, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान तथा सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों में विश्वविद्यालय का प्रदर्शन विशेष रूप से सराहनीय रहा है। इस उपलब्धि पर कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल सहित विश्वविद्यालय परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त की।

इतिहास शोध और अकादमिक सहयोग को मिलेगा नया आयाम, अवध विश्वविद्यालय ने किया एमओयू

राष्ट्रीय स्तर पर शोध गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु अवध विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण पहल

अयोध्या, 07 जून 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय, अयोध्या एवं हिमाचल प्रदेश के ठाकुर रामसिंह इतिहास शोध संस्थान, नेरी (हमीरपुर) के मध्य शैक्षणिक एवं शोध सहयोग को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में हुए इस समझौते का उद्देश्य इतिहास, संस्कृति एवं अन्य संबद्ध विषयों में अनुसंधान, प्रशिक्षण और शैक्षणिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना है।

अवध विश्वविद्यालय एवं ठाकुर रामसिंह इतिहास शोध संस्थान के मध्य एमओयू के अवसर पर उपस्थित अधिकारी एवं शिक्षाविद्।

कुलपति प्रतिनिधि प्रो. अनूप कुमार ने बताया कि एमओयू के अंतर्गत दोनों संस्थान कौशल आधारित प्रशिक्षण, संयुक्त शोध परियोजनाएं, अतिथि व्याख्यान, शैक्षणिक भ्रमण तथा छात्र एवं संकाय आदान–प्रदान कार्यक्रम संचालित करेंगे। इससे दोनों संस्थानों की बौद्धिक क्षमताओं एवं शैक्षणिक संसाधनों का प्रभावी उपयोग संभव हो सकेगा।

उन्होंने बताया कि इतिहास शोध संस्थान नेरी भारतीय इतिहास को भारतीय दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने के उद्देश्य से कार्य कर रहा है तथा इतिहास, संस्कृति, पुरातत्व एवं अन्य विषयों पर शोध एवं प्रकाशन गतिविधियां संचालित करता है। यह समझौता इतिहास एवं शोध के क्षेत्र में नए अवसरों का मार्ग प्रशस्त करेगा तथा विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को लाभान्वित करेगा।

अवध विश्वविद्यालय ने गोद लिए गांव में मनाया अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अयोध्या, 22 जून 2026। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय द्वारा उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत गोद लिए गए ग्राम मुमताज नगर में अंतर्राष्ट्रीय

मुमताज नगर गांव में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सामूहिक योगाभ्यास करते ग्रामीण एवं विश्वविद्यालय प्रतिनिधि।

योग दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन उन्नत भारत अभियान के नोडल अधिकारी प्रो. सुरेन्द्र मिश्र ने किया। सामुदायिक केंद्र पर आयोजित कार्यक्रम में युवा, महिलाएं, बच्चे एवं बुजुर्ग बड़ी संख्या में शामिल हुए और योगाभ्यास कर स्वस्थ जीवन का संकल्प लिया।

इस अवसर पर ग्राम प्रधान अमर चौधरी, चंद्रशेखर तिवारी एवं जितेन्द्र यादव की गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्य वक्ता इंजी. रवि तिवारी ने योग, पर्यावरण संरक्षण और संरचना विकास के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विकसित भारत–2047 के सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक आयामों की जानकारी दी। उन्होंने ग्रामीणों को केंद्र एवं राज्य सरकार की स्वास्थ्य, कौशल विकास और जनकल्याणकारी योजनाओं से भी अवगत कराया। कार्यक्रम का संचालन कमलेश एवं शिवानी ने किया। आयोजन को सफल बनाने में महेन्द्र कुमार, जितेन्द्र, विनय शर्मा तथा सौरभ मिश्र का विशेष योगदान रहा।

कैंपस बुलेटिन

- अयोध्या, 02 जून 2026। अवध विश्वविद्यालय के पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. विनोद कुमार चौधरी को पर्यावरण संरक्षण एवं अनुसंधान में योगदान हेतु "पर्यावरण श्री सम्मान"।
- अयोध्या, 02 जून 2026। अवध विश्वविद्यालय ने सत्र 2026–27 में स्नातक एवं परास्नातक पाठ्यक्रमों में ऑनलाइन आवेदन और प्रवेश की अंतिम तिथि 30 जून तक बढ़ाई।
- अयोध्या, 03 जून 2026। अवध विश्वविद्यालय में पीएम–ऊषा के तहत "परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी एवं विश्लेषण" विषय पर सप्ताहीय प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू।
- अयोध्या, 06 जून 2026। अवध विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति ने एलएलबी परीक्षाएं निरस्त कर पुनर्परीक्षा कराने तथा संबंधित परीक्षा केंद्र पर पांच वर्ष का प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया।
- अयोध्या, 07 जून 2026। अवध विवि में एग्री–बिजनेस मैनेजमेंट पर विशेष व्याख्यान।

राज्यपाल के आगमन की तैयारियों को लेकर अवध विश्वविद्यालय में समीक्षा बैठक

कुलपति ने विकास परियोजनाओं को समयबद्ध पूर्ण करने के दिए निर्देश

अयोध्या, 22 जून। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के कौटिल्य प्रशासनिक भवन सभागार में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में आगामी 27 एवं 28 जून को प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के प्रस्तावित विश्वविद्यालय भ्रमण एवं विकास कार्यों के निरीक्षण की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में सरोवर निर्माण, शैक्षिक भवनों में जलापूर्ति एवं विद्युत व्यवस्था, छात्रावासों में मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता तथा सभी भवनों में पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। कुलपति ने संबंधित अधिकारियों एवं निर्माणदायी संस्थाओं को सभी कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने परिसर के विभिन्न भवनों का औचक निरीक्षण कर साफ–सफाई एवं व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया।

बैठक में कुलसचिव विनय कुमार सिंह, वित्त अधिकारी पूर्णेन्दु शुक्ल, प्रो. एस.एस. मिश्र, प्रो. सी. के. मिश्र, प्रो. आशुतोष सिन्हा, प्रो. नीलम पाठक प्रो अनूप कुमार, प्रो. शैलेंद्र कुमार वर्मा, प्रो. शैलेंद्र कुमार, प्रो सुरेन्द्र मिश्र, डॉ. विनोद कुमार चौधरी सहित अन्य उपस्थित रहे।

विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश देते कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह।

DR. RAMMANOHAR LOHIA AVADH UNIVERSITY, AYODHYA

(NAAC Accredited University)

Estd. - 1975

ADMISSION NOTICE 2026-27

As per U.P. Government Order Online Applications are Invited on SAMARTH PORTAL

NEP 2020 Applied on Courses as per Uttar Pradesh Government Orders

FACULTY OF SCIENCE

Under Graduate Program
- B. Sc. (Math Group) (According to NEP-2020) Physics, Mathematics, Computer Science, Chemistry, Electronics
- B. Sc. (Bio Group) (According to NEP-2020) Zoology, Botany, Chemistry, Microbiology, Biochemistry/ Biotechnology, Environmental Science
- B. Sc. (Agriculture) (According to NEP-2020)

Post Graduate Program
- M. Sc. Physics (Electronics)
- M. Sc. Electronics
- M. Sc. Mathematics (Statistics)
- M. Sc. Biochemistry
- M. Sc. Biotechnology
- M. Sc. Microbiology
- M. Sc. Environmental Sciences
- M. Sc. Zoology
- M. Sc. Botany
- M. Sc. Chemistry
- M. Sc. Bioinformatics

FACULTY OF ARTS & HUMANITIES

Under Graduate Program
- B. Voc. in Fashion Designing & Garment Technology
- B. Voc. in Art Communication and Journalism)
- Bachelor of Fine arts (BFA)
- Bachelor of Art (B. A.) (According to NEP-2020)
  - (Sociology, Geography, Hindi, Ancient Indian History, Home Science, English, Urdu, Economics, Political Science)

Post Graduate Program
- M. A. (Economics and Rural Development)
- MA (History Culture and Archaeology)
- M. A. (Hindi & Communication & Journalism) (M. C. J.)
- Master of Performing Arts-MatoOM. P. A. Music)
- M. A. in English
- M. A. in Hindi
- M. A. in Sanskrit
- M. A. in Urdu
- M. A. in Public Policy & Governance
- M. A. in International Relations
- M/M.Sc. Geography
- M. A. Applied Psychology

Post Graduate Diploma Program
- P. G. Diploma in Fashion Design
- P.G. Diploma in Counseling & Guidance
- PG Diploma in Awadhi

IMPORTANT DATES & ANNOUNCEMENT

Starting date of filling up of Admission Application

Start Date: **01 May 2026**

End Date: **12 July 2026**

Entrance Date: **17 July 2026**

FACULTY OF LAW

Post Graduate Program
- Master of Law (LL. M)

FACULTY OF EDUCATION

Post Graduate Program
- Master of Education (M. Ed.)

INSTITUTE OF PHYSICAL EDUCATION, SPORTS & YOGIC SCIENCES

Under Graduate Program
- Bachelor in Physical Education & Sports

Post Graduate Program
- Master of Physical Education

Post Graduate Program
- Master of Arts in Yogic Science & Consciousness, Yogic Education & Human Origin

FACULTY OF COMMERCE AND MANAGEMENT

Under Graduate Program
- B. B. A. (Bachelor of Business Administration)
- B. C. A. (Bachelor of Computer Applications)
- B. Com.

Post Graduate Program
- M. Com.
- M. B. A. (Master of Business Administration)
- M. B. A. (Finance & Control)
- M. B. A. (Agri-Business)
- M. B. A. (Tourism Management)
- M. B. A. (Hospitality Management)

INSTITUTE OF ENGINEERING AND TECHNOLOGY

Under Graduate Program
- B. Tech. CE*
- B. Tech. CSE*
- B. Tech. ECE*
- B. Tech. ME*
- B. Tech. EE*
- B. Tech. AI*
- B. Tech. IT*
- B. Tech. Data Science

Post Graduate Program
- M. Tech. ECE (Part Time)
- M.Tech. ME (Part Time)
- Integrated M.Tech. CE
- Integrated M.Tech. ECE
- Integrated M.Tech. EE
- Integrated M.Tech. IT
- Integrated M.Tech. CSE
- Integrated M.Tech. ME
- MCA
- Integrated MCA
- M.Sc. (Computer Science)

INSTITUTE OF PHARMACY

Under Graduate Program
- Bachelor in Pharmacy (B.Pharm.) *

Diploma Program
- Diploma in Pharmacy
- Lateral Entry Admission for All B.Tech & B.Pharma

Post Graduate Program
- M.Pharm. in Pharmaceutical Chemistry
- M.Pharm. in Pharmaceutics

For Further Details, Visit www.rmlau.ac.in

Link for Registration:
https://rmlauadm.samarth.edu.in/
https://rmlauadts.samarth.edu.in/pg/index.php

Vinay Kumar Singh,
Registrar

* Subject to the approval of AICTE/PCI/NCTE/State Government/University Norms.

For any admission related query, please contact the concerned department.